संख्या-11/2021/ 317 /53-2-2021-2(48)/2014

प्रेषक,

रवि शंकर गुप्ता,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

दुग्ध आयुक्त,
दुग्धशाला विकास उ0प्र0,
लखनऊ।

दुग्ध विकास अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 18 मार्च, 2021

विषय- वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए पी0सी0डी0एफ0 के कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु ऋण की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-920/वित्त सम्भाग-3/पी0सी0डी0एफ0/ऋण/2020-21, दिनांक 10 मार्च, 2021 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में लेखाशीर्षक ''6404-डेरी विकास के लिए कर्ज-190 सार्वजनिक क्षेत्र के तथा अन्य उपक्रमों को कर्ज 05-कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु पी0सी0डी0एफ0 को ऋण-30-निवेश/ऋण'' मद में प्राविधानित धनराशि रू0 2500.00 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में रू0 1000.00 लाख की धनराशि शासनादेश संख्या- 4/2020 / 917 /53-2-2020-2(48)/2014, दिनांक 22अक्टूबर,2020 द्वारा तथा द्वितीय किश्त के रूप में रू0 1000.00 लाख की धनराशि शासनादेश संख्या- 5/2021 / 154 /53-2-2021-2(48)/2014, दिनांक 11.02.2021 द्वारा अवमुक्त की गयी है। इस प्रकार कुल रू0 2000.00लाख की धनराशि स्वीकृत/अवमुक्त है। प्राविधानित धनराशि रू0 2500.00लाख की अवशेष धनराशि रू0 500.00लाख(रूपये पॉच करोड़ मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं:-

(1) धनराशि को आहरित कर किसी बैंक / डाकघर में नहीं रखा जायेगा।

(2) स्वीकृत की जा रही धनराशि जिस प्रयोजन/जिन कार्यो हेतु अवमुक्त की जा रही है, उसी मद/प्रयोजन में ही इसका व्यय अनुमन्य होगा।

(3) स्वीकृत की जा रही धनराशि एकमुश्त आहरित न करके अपितु आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी।

(4) ऋण के रूप में पी0सी0डी0एफ0 को उपलब्ध कराई जा रही प्रश्नगत धनराशि हेतु ऋण की शर्तो का निर्धारण वित्त(आय-व्ययक)अनुभाग-4 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2016/बी-4-857/दस-2016-6-1965, दिनांक 28 दिसम्बर,2016 में निहित व्यवस्था के अधीन किया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि के संबंध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक 24 मार्च, 2020 एवं तत्सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश दिनांक 07अप्रैल, 2020, दिनांक 11अप्रैल, 2020 एवं दिनांक 18 मई, 2020 में निहित शर्तो का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही ऋण की धनराशि की अदायगी पी0सी0डी0एफ0 द्वारा अधिकतम 05 वर्षो के अन्दर एवं ब्याज सहित सुनिश्चित की जायेगी।

(7) ऋण की उक्त धनराशि पर 18.00 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज देय होगा।

(8) नियत समय पर ऋण/ब्याज का प्रतिदान/भुगतान करने की दशा में 3.5 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। ऋण/ ब्याज

....2/-

1- **यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।**

2- **इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट** http://shasanadesh.up.gov.in **से सत्यापित की जा सकती है ।**

का समय से प्रतिदान/भुगतान न होने पर अथवा कोई किश्त कालातीत होने पर ऋण की स्वीकृत आदेश में निर्धारित दर पर ब्याज देना होगा अर्थात् ब्याज दर में कोई छूट नहीं दी जायेगी।

(9) ऋण/ब्याज का समय से प्रतिदान/ भुगतान करने में वितथ(डिफाल्ट) होने पर निर्धारित दर पर ही ब्याज देय होगा अर्थात ब्याज की दरों में कोई छूट अनुमन्य नहीं होगा। ब्याज की दण्डात्मक दर मूलराशि और/अथवा ब्याज की अतिदेय किश्तों पर उसकी अदायगी की निश्चित तिथि से वास्तविक अदायगी की तिथि से ठीक पूर्व की तिथि तक लागू रहेगी।

(10) ऑंकडों की शुद्धता का दायित्व दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास, उ0प्र0 का होगा।

(11) प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र पूर्ण विवरण सहित शासन को उपलब्ध कराया जायेगा

(12) योजनान्तर्गत व्यय धनराशि के संबंध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि किसी अन्य योजना से द्विरावृत्ति न हो।

(13) स्वीकृत ऋण पर देय ब्याज की गणना वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-एक के पैरा-225 में दिये गये निर्देशों के अनुसार की जायेगी।

(14) स्वीकृत की जा रही धनराशि की उपलब्धता के संबंध में दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास,उ0प्र0 सुनिश्चित हो लेगें।

(15) स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर जिस खाते में जमा किया जायेगा, यदि उस खाते में कोई ब्याज अर्जित होता है, तो उसे निर्धारित लेखाशीर्ष में जमा कराने का दायित्व दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास,उ0प्र0 का होगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-16 के लेखाशीर्षक '6404-डेरी विकास के लिए कर्ज-190-सार्वजनिक क्षेत्र के तथा अन्य उपक्रमों को कर्ज-05-कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु पी0सी0डी0एफ0 को ऋण-30-निवेश/ऋण'' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-यू0ओ0-ई-1-306 /दस-2021, दिनांक 17मार्च, 2021 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(रवि शंकर गुप्ता)
विशेष सचिव।

संख्या-11 /2021 /317(1)/53-2-2021 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उ0प्र0, प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा प्रथम/आडिट प्रथम), उ0प्र0, प्रयागराज।
3. वरिष्ठ आडिट आफीसर, (आडिट प्लानिंग) कार्यालय महालेखाकार, लेखा परीक्षा (प्रथम), सत्यनिष्ठा भवन, 15 थार्नहिल रोड, प्रयागराज।
4. प्रबन्ध निदेशक, पी0सी0डी0एफ0लि0, 29 पार्करोड, लखनऊ।
5. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।

.....3/-

1- **यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।**

2- **इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट** http://shasanadesh.up.gov.in **से सत्यापित की जा सकती है ।**

6. वित्त नियन्त्रक, दुग्धशाला विकास विभाग, उ0प्र0, जवाहर भवन, लखनऊ।
7. वित्त(व्यय-नियन्त्रण)अनुभाग-2/वित्त(आय-व्ययक)अनुभाग-4/राज्य योजना आयोग-3/नियोजन अनुभाग-3
8. मण्डलीय उप निदेशक, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, उ0प्र0।
9. आहरण एवं वितरण अधिकारी, दुग्धशाला विकास विभाग, उ0प्र0, जवाहर भवन, लखनऊ।
10. वेब मास्टर, दुग्धशाला विकास विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि कृपया इसे विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित करें।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(बिन्द गोपाल द्विवेदी)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- **यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।**
2- **इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट** http://shasanadesh.up.gov.in **से सत्यापित की जा सकती है ।**